कई चुनौतियां हैं नवागत कलेक्टर के सामने, लम्बे समय से विकास की आस संजोए हैं पन्नावासी

अवैध पत्थर एवं हीरा खदानों से करोड़ों की राजस्व क्षति रोकना आवश्यक, जिले के लिए स्वीकृत डायमंड पार्क, इंजीनियरिंग कॉलेज की शुरूआत हो, सत्ता पक्ष एवं विपक्षी दलों सहित खनन माफियाओं पत्रकारों की तिकड़ी के अवैध खनन कारोबार को रोकना बड़ी चुनौती

बीपी सिंह

सुरेश कुमार

दीपाली रस्तोगी

एम सेल्वेंद्रम

ऊषा परमार

नवभारत न्यूज

पन्ना 23 अक्टूबर, किसी भी अच्छे बुरे प्रशासनिक अधिकारी की अच्छाई या बुराई का पता उसके जाने के बाद पता चलती है कुछ ऐसे अधिकारी आते है जिन्हें जिले वासी कभी नही भूल पाते और कुछ ऐसे भी आते हैं जिन्हें कभी याद करना भी उचित नही समझते। जिनका नाम आज भी जिले वासी नही भूल पा रहे हैं उनमें पूर्व कलेक्टर श्रीमती दीपाली रस्तोगी, एम सेलवेन्द्रन, अजीत कुमार एवं बी पी सिंह तथा श्री कपानी जी का नाम प्रमुख है।

वहीं निवर्तमान कलेक्टर सुरेश कुमार पर्यटन तथा शहर के विकास के लिए विशेष योगदान दिया। जिसमें बृहस्पतिकुंड के ग्लास ब्रिज, श्री किशोर जी लोक के अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही, शहर के विभिन्न मार्गो का सौन्दर्यीकरण, मोहन निवास चैराहा मे डिवाइडर का कार्य, पैलेस को तोड़कर सीधे रास्ते का निर्माण कार्य के अलावा चुस्त दुरूस्त प्रशासन एवं अवैध कारोबारियों पर कडी कार्यवाही कर ये बता दिया कि आईएस अधिकारी के पास कितना पावर होता है। वहीं पर्यटन का बढ़ावा देने के साथ ही डायमंड पार्क की स्थापना के लिये भी उनके द्वारा प्रयास किये गये।

वहीं पूर्व कलेक्टर संजय कुमार मिश्रा द्वारा जिले में भ्रष्टाचार का बढ़ावा दिये जाने को लेकर चर्चाओं में थे जिनके लिए हाईकोर्ट तक मे टीका टिप्पणी की गई थी तथा नियम विरूद्ध शस्त्र लाइसेंस एवं खनन माफियाओं एवं भू माफियाओं को निहित स्वार्थ के चलते आज तक इतिहास मे सर्वाधिक भूमि विक्रय की अनुमतियां देकर सुर्खियों में रहे। अब नवागत कलेक्टर श्रीमती ऊषा परमार से जिले को काफी आशाएं हैं। आज हम विकास के मसीहाओं के बारे में कुछ यादें हरी करते हुए नवागत कलेक्टर श्रीमती ऊषा परमार से भी अपेक्षा करेंगे के वे भी जिले के लिए कुछ करके दिखाएं ताकि जिले की जनता उन्हें हमेशा याद रखे जैसा पूर्व के कुछ कलेक्टरों को याद रख रही है।

बी पी सिंह -पूर्व कलेक्टर बसन्त प्रताप सिंह जो कि तत्कालीन सीएस रह चुके हैं उन्होंने अपने कार्यकाल में पन्ना को राजघराने का कड़ा विरोध झेलकर पन्ना को विशाल बस स्टेण्ड दिया था उस समय राजघराने से लोकेन्द्र सिंह सांसद हुआ करते थे और उनका प्रदेश से लेकर दिल्ली सरकार तक में अच्छा खासा प्रभाव था लेकिन जिले के विकास के लिए विरोध की परवाह न करते हुए बस स्टेण्ड बिहीन पन्ना को विशाल बस स्टेण्ड की सौगात दी थी एवं एतिहासिक पर्यटन स्थल सारंग धाम सुतीक्ष्ण मुनि आश्रम जहां भगवान श्रीराम ने चैदह वर्ष के बनवास के समय कई दिनों तक रहे वहां का जो भी विकास आज दिख रहा है वह उन्ही की देन है ।

श्रीमती दीपाली रस्तोगी '- श्रीमती दीपाली रस्तोगी ने पन्ना के प्रमुख मार्गों का अतिक्रमण हटाने में किसी का दबाव न मानते हुए अतिक्रमण मुक्त किया था साथ ही केन्द्रीय विद्यालय, करोड़ों की लागत से निर्माणाधीन नवीन न्यायालय भवन का भूमिपूजन फरवरी 2005 में तथा एवं करोड़ों की की लागत से बने कलेक्ट्रेट भवन का शिलान्यास भगवान श्री युगलकिशोर जी की छठी के दिन अगस्त 2007 में कराया था जो आज सबके सामने है तथा पूरे जिले में हर तहसील में शापिंग काम्पलेक्सों के निर्माण की नींव रखी जिसे आगे बढ़ाया कलेक्टर एम सेलवेन्द्रन ने।

एम सेलवेन्द्रन- आज पूरे जिले में जहां देखो वही शापिंग काम्पलेक्स हैं और सैकड़ों लोगों को रोजगार मिल रहा है वह किसी और की नहीं पन्ना के प्रति विकास की सोंच रखने वाले कलेक्टर शेलवेन्द्रन की देन है यही नहीं महेन्द्र भवन परिसर यानी पुरानी कलेक्ट्रेट जो वीरान हुआ करता था उसे हरा भरा करने एवं लाखों की लागत से आलीशाल गार्डन तैयार करवाया गया था जहां से कलेक्ट्रेट कार्यालय नवीन संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन में संचालित हो गया है और उक्त भवन पर्यटन विभाग को हस्तांतरित हो गया है जो बाद मे राजस्थान की निजी कम्पनी को होटल व्यवसायी के लिए कौड़ियों के दाम नीलाम कर दिया गया। जिसमें होटल का निर्माण कार्य जारी है।

ईमानदार एवं सख्त नौकरशाह के लिए जाने जाते थे अजीत कुमार- पन्ना जिले में पहली बार ऐसे कलेक्टर के रूप में अजीत कुमार आए थे जिन्होंने जिले के स्वार्थी नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों सहित भ्रष्ट अधिकारियों को सबक सिखा दिया था और यह बता दिया था कि प्रशासन क्या चीज होती है । वे जितने समय भी रहे जिले के किसी भी दल के नेताओं को वे रास नही आए क्योंकि उनके स्वार्थ उनसे हल नही होते थे और नब्बे प्रतिशत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इसलिए रास नही आए कि वे भ्रष्टाचार एवं लापरवाही की इतनी कड़ी सजा देते थे कि शायद आज तक किसी कलेक्टर ने नही दी । जब टी एल एंव अन्य समीक्षा बैठकों में जिले के अधिकारी जाते थे तो कलेक्टेट की सीढ़िया चढ़ते ही उनकी दिल की धड़कने बढ़ जाती थीं कि वे आज बचेंगे या निलम्बित होंगे कोई ठिकाना नहीं । यही हाल राजनेताओं का था । नियमानुसार हर कार्य करते थे अवैधानिक कार्य कराना जिले के नेता एवं जनप्रतिनिधि भूल ही चुके थे ।

नवागत कलेक्टर के सामने ये हैं चुनौतियां

:- पन्ना जिले में कोई उद्योग न होने के कारण अधिकांश राजनैतिक दलों के नेताओं की राजनीति का एकमात्र लक्ष्य अवैध खनन कारोबार है। चाहे भाजपा हो या कांग्रेस लगभग सभी प्रमुख दलों के कुछ नेताओं को छोड़ दिया जाये तो अधिकांश नेताओं का मुख्य कारोबार अवैध खनन है खननकारोबारियों ने कुछ धंधेबाज पत्रकारों को भी इस कारोबार मे जोड़ लिया है जिससे कुछ पत्रकार भी खनन माफिया बन गये हैं। पन्ना जिले में लगभग 90 प्रतिशत पत्थर खदानें स्वीकृत क्षेत्र से हटकर अवैध रूप से चलाई जा रही हैं और अधिकांश खदानें बिना स्वीकृति के लिए चल रही हैं। पिटपास तो नाममात्र के वाहनों में ही रहता है। बिना ई पिटपास के अवैध खनिज का कारोबार चल रहा है जिससे प्रतिमाह शासन को लाखों करोडों की राजस्व क्षति हो रही है। वहीं इस मामले में अब जिले के मीडिया कर्मी भी पीछे नहीं है खुलेआम अवैध पत्थर एवं रेत कारोबार में लिप्त हैं। यही हाल हीरा खदानों का है पन्ना पहाड़ीखेरा मार्ग में लगभग दो हजार अवैध हीरा खदानें संचालित हो रही है जिसमें राजस्व एवं वन दोनों क्षेत्र शामिल हैं। पन्ना जिले में डायमंड पार्क की स्थापना, इंजीनियरिंग, कॉलेज का शुभारंभ कराना, उद्योग विहीन जिले में वैसे भी व्यापक बेरोजगारी है लोगों को रोजगार मुहैया कराना एवं कोई व्यक्ति भूखा न रहे इसकी कोई व्यवस्था करना भी एक चुनौती हैं। यह सब काम पूरे हों, इस पर कलेक्टर को प्राथमिकता के साथ ध्यान देना होगा। जिले में प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ ही रोजगार मूलक कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता जताई जा रही है।

पूर्व पति ने अपनी बेवफा पत्नी को साथियों के साथ मिलकर उतारा मौत के घाट

नवभारत न्यूज

पन्ना 23 अक्टूबर, अजयगढ़ थान क्षेत्र के ग्राम वीरा पुलिस चैकी वीरा में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है जहाँ पहले पति ने अपने अन्य साथियों के साथ मिल कर गांव के खेत में बने घर रात को पहुच कर घटना को अजाम दिया पूर्व पति अपने साथियो के साथ पहुँच कर अपनी पत्नी के ऊपर लाठी डंडों से हमला कर दिया। जिसमें 48 वर्षिय रामकली कोरी की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस को सूचना मिलते ही गांव पहुँच कर लाश का पंचनामा कार्य पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। इस पूरी घटना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह चैहान ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या विवेचना में यह तथ्य सामने निकल कर आये है कि महिला का विवाह लाला कोरी के साथ लगभग 15 वर्ष पहले हुआ जिसके 3 लड़की दो लकड़े थे। लेकिन महिला अपने पति और बच्चों को छोड़ कर अपने प्रेमी राम दास धोवी के साथ दूसरे शहर भाग गई। जिसके बाद पिता के द्वारा पांचों बच्चों की परवरिश की लेकिन तीन साल पहले फिर महिला अपने प्रेमी के साथ रहने गांव वीरा आ गई और तभी से पूर्व पति के जख्म फिर से हरे हुए और प्रतिशोध की भावना से इस पूरे घटना को अंजाम दिया गया। इस पूरे घटना क्रम ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी और ग्राम पंचायत से लेकर मुख्यालय तक चर्चा का बाजार गर्म हो गया कि पति ने पत्नी की वेबफाई का बदला ले लिया। वही पुलिस के द्वारा मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है ओर मामले की गहन जांच में जुटी हुई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया की लाठी डंडों से पीट-पीटकर महिला की हत्या की गई है आरोपी पूर्व पति को गिरफ्तार कर लिया गया है हत्या में शामिल अन्य लोगों की तलाश भी पुलिस सर गर्मी से कर रही है।

दीवाली मे बिक गई नकली खोवा से निर्मित लाखों की मिठाई

विभाग ने की सेम्पलिंग की खानापूर्ति

नवभारत न्यूज

पन्ना 23 अक्टूबर, लगातार एक माह से त्यौहारों का दौर चल रहा है पहले गणेशोत्सव फिर नवरात्रि और अभी दीपावली का पांच दिवसीय महोत्सव चल रहा था। विशेषकर दीपावली पर्व पर जमकर मिलावटी मिठाईयों एवं खाद्य पदार्थो की बिक्री हुई है। वहीं खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग महज कुछ दुकानों की सेम्पलिंग कर खानापूर्ति की गई।

वहीं नकली खोवे से निर्मित लाखों की मिठाईयां बिक गई। जिससे कहीं कहीं लोग बीमार भी हुये और लोगों को इलाज कराना पड़ा। उपभोक्ताओं के अनुसार बाजार में खुलेआम घटिया और मिलावटी मिठाइयां बेची गई। जिसके सेवन से कई लोग पेट दर्द और संक्रमण जैसी बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। चिंता की बात यह है। कि जिले के खाद्य विभाग द्वारा अब तक किसी भी बड़ी दुकान या मिष्ठान निर्माण स्थल का नरीक्षण नहीं किया गया है। जानकारी के मुताबिक, इस साल आने वाला शुद्ध खोवा महंगा हो गया है।

इस कारण कई दुकानदार सस्ता लेकिन घटिया खोवा मंगाकर मिठाई बनवा रहे हैं। यह नकली खोवा दूध से क्रीम निकालने के बाद बचे पानी में केमिकल, शकरकंदी, सिंघाड़े का आटा, आलू, मैदा और यहां तक कि यूरिया जैसी हानिकारक चीजें मिलाकर तैयार किया जाता है। वजन बढ़ाने के लिए इसमें स्टार्च और आयोडीन भी मिलाया जाता है। दुकानदार दीवाली से एक महीना पहले ही खोवा खरीदकर फीजर में स्टोर कर लेते हैं। लंबे समय तक रखने से खोवा का स्वाद और रंग बदल जाता है। निर्माण से कुछ दिन पहले कैमिकल अर्क डालकर उसे सफेद और चमकदार बना दिया जाता है ताकि मिठाई देखने में आकर्षक लगे। इसके बाद अलग-अलग सेंट और फ्लेवर डालकर विभिन्न प्रकार की मिठाइयां तैयार की जाती हैं।

निर्माण स्थलों पर गंदगी, सफाई का अभाव:- ज्यादातर दुकानदार जहां पर मिठाई बनवाते हैं, वहां सफाई की स्थिति बेहद खराब रहती है। धूल, गंदगी और कीड़ों-मकोड़ों के बीच मिठाई तैयार की जाती है। कई दुकानदार यूपी से रेडीमेड मिठाई मंगाकर यहां अपने हिसाब से दोबारा पैक कर बेचते हैं। मिठाई बनाने में सस्ते और घटिया रिफाइन तेल का उपयोग आम बात हो गई है।

बेसन वाली मिठाइयों में भी मिलावट

बेसन की मिठाइयों में शुद्ध बेसन के बजाय खसरा और मटर की दाल का बेसन तथा मैदा मिलाया जा रहा है। साथ ही हानिकारक रंग और सस्ते तेल में तलकर मिठाई तैयार की जाती है। उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ यह सीधा खिलवाड़ है।

आठ वर्षों से निर्माणाधीन सड़क का कार्य 3 वर्षों से बंद

नवभारत न्यूज

पन्ना 23 अक्टूबर, भारतीय जनता पार्टी की सरकार मध्य प्रदेश शासन के द्वारा बेहतर आवागमन हेतु सड़कों की चैड़ाई में वृद्धि करते हुए पक्की सड़कों का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर संपूर्ण मध्य प्रदेश में कराये जा रहे है।

इसी कड़ी में सलेहा पवई मोहन्द्रा मेंनरोड का निर्माण कार्य पवई के यशस्वी विधायक प्रहलाद सिंह लोधी के प्रयासों से तत्कालीन मध्य प्रदेश के मुयमंत्री शिवराज सिंह चैहान के द्वारा 2016 - 2017 मे स्वीकृति और आवंटन जारी करते हुए निर्माण कार्य प्रारंभ कराया गया था। पवई से सलेहा की तरफ 13 किमी में (ग्राम मनकी, नारायणपुरा , कैथी ,पड़रिया कला तक) 100 मी से - दो 200 मीटर के अन्तर से बीच-बीच में सड़क को खोदकर छोड़ दिया गया है। 10 से अधिक टुकड़े खतरनाक गड्ढों के रुप मे आठ वर्षों से लगातार अधूरे हैं । पवई से ग्राम मनकी तक 06 किलोमीटर में कई जगह (खतरनाक मोड़ होने के कारण) सड़क सीधी करने हेतु दूसरी सड़कें बनाई गई परंतु उन्हें आपस मे जोड़ा नहीं गया जिससे पक्की सड़क के बाद अचानक खेत ए जाने के कारण वाहन दुर्घटनाएं हो रही हैं। उक्त सड़क निर्माण कार्य में स्वीकृत एस्टीमेट की राशि दोगुना से अधिक एवं समय चार गुना से अधिक लग चुका है, परंतु अभी तक आठ वर्षों के उपरांत भी कार्य आधा अधूरा है। जवाबदार अधिकारी कर्मचारी लापरवाही की एवं निष्क्रिय के कारण अधूरे निर्माण कार्य को छोड़कर निर्माण एजेंसी 3 वर्षों के अधिक समय से लगातार मौके से नदारत है।

कहीं-कहीं बहुत अच्छी सड़क और कहीं- कहीं अचानक बहुत खराब सड़क के होने से गंभीर जानलेवा वाहन दुर्घटनाएं हो रही हैं जिसमें अभी तक कई लोगों की मृत्यु हो चुकी है । क्षेत्रीय सांसद विष्णु दत्त शर्मा, पवई विधायक प्रहलाद सिंह लोधी, कलेटर पन्ना श्रीमती उषा सिंह परमार से जनहित में आग्रह है कि शीघ्र ही पवई सलेहा नागौद तक 8 वर्षों के अधिक समय से निर्माणाधीन अधूरी सड़क की समीक्षा कराते हुए शेष कार्य कराया जाना जनहित में आवश्यक है, वाहन दुर्घटनाओं में हो रही धनहानि जनहानि को रोका जा सके एवं मध्य प्रदेश शासन की इच्छा और मंशा के अनुरूप बेहतर आवागमन की सुविधा आम लोगों को मिल सके इस हेतु कार्यवाही आवश्यक है। शासन द्वारा सड़क निर्माण कीस्वीकृतियां, बजट आवंटन और सरकार अच्छी मंशा के होते हुए भी उक्त सड़क 08 वर्षों से लगातार अधूरी है। सड़क में जानलेवा गड्ढे ही गड्ढे हैं अत: उक्त सड़क का निरीक्षण करते हुए आवश्यक कार्यवाही लोगों को बहुत बड़ी राहत दे सकती है।

भाईदूज पर लाड़ली बहनों को मिली विशेष आर्थिक सहायता राशि

नवभारत न्यूज

पन्ना 23 अक्टूबर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को भाईदूज पर्व पर प्रदेश की लाड़ली बहनों के खातों में 250 रूपए की विशेष आर्थिक सहायता अंतरित की।

मुख्यमंत्री निवास भोपाल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की पात्र हितग्राही महिलाओं को राशि का अंतरण किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा मुख्यमंत्री के उद्बोधन को देखा एवं सुना गया। जिले के सभी ग्राम पंचायत, ग्राम

व वार्डों में भी लाइव प्रसारण के माध्यम से महिलाओं ने मुख्यमंत्री जी के उद्बोधन को उत्साहपूर्वक सुना। पन्ना जिले की एक लाख 82 हजार 958 लाड़ली बहनों को वर्तमान अक्टूबर माह की शेष राशि 4 करोड़ 57 लाख रूपए का भुगतान किया गया। आगामी नवम्बर माह से योजनांतर्गत लाड़ली बहनों को नियमित रूप से प्रतिमाह 1500 रूपए की मासिक सहायता राशि मिलेगी।

पन्ना नेचर कैम्प का आयोजन 2 नवम्बर से

नवभारत न्यूज

पन्ना 23 अक्टूबर, पन्ना टाईगर रिजर्व द्वारा इस वर्ष भी पन्ना नेचर कैम्प का आयोजन आगामी 2 नवम्बर से 22 फरवरी तक प्रत्येक रविवार को किया जाएगा।

टाईगर रिजर्व पन्ना एवं विश्व प्राकृति निधि भारत के संयुक्त तत्वाधान में पर्यावरण जागरूकता अभियान के क्रियान्वयन के उद्देश्य से पन्ना नेचर कैम्प 2025-26 आयोजित किया जा रहा है। इसमें पन्ना के विशिष्ट पर्यावरणविद प्रशिक्षक के रूप में भाग लेंगे। अच्छे नागरिक के साथ पर्यावरणविद बनने के इच्छुकजन पार्क कार्यालय से कार्यालयीन समय में आवेदन पत्र प्राप्त कर जमा कर सकते हैं। नवम्बर माह में 9, 16, 23 एवं 30 नवम्बर, दिसम्बर माह में 7, 14, 21 एवं 28 दिसम्बर, जनवरी माह में 4, 11, 18 एवं 25 जनवरी तथा फरवरी माह में 1, 8, 15 एवं 22 फरवरी को पन्ना नेचर कैम्प आयोजित होगा। विद्यार्थियों के लिए 200 रूपए एवं अन्य व्यक्तियों के लिए 400 रूपए सदस्यता शुल्क निर्धारित है। इस संबंध में अधिक जानकारी व पंजीयन के लिए कार्यालय क्षेत्र संचालक, पन्ना टाईगर रिजर्व अथवा दूरभाष क्रमांक 07732-252135 पर संपर्क किया जा सकता है। प्रत्येक कैम्प में प्रत्येक वर्ग के लिए मात्र 15 स्थान उपलब्ध हैं। प्रतिभागियों का पंजीयन पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। 2 नवम्बर को वन्यजीव संरक्षण सप्ताह के विजेता प्रतिभागियों का नि:शुल्क कैम्प आयोजित किया जाएगा।

वन्य प्राणियों का आंकलन में भाग लेने के लिए स्वयं सेवकों का आमंत्रण

पन्ना टाइगर रिजर्व में अखिल भारतीय बाघ एवं अन्य वन्यप्राणियों का आंकलन (फेज-1 डाटा कलेक्शन) दिनांक 01 दिसम्बर से 07 दिसम्बर 2025 की अवधि में आयोजित किया जाना निश्चित है। इस प्रक्रिया की पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से एवं बाघ संरक्षण में आमजन की सहभागिता की दृष्टि से सीमित संख्या में स्वयं सेवको को सम्मिलित किया जाना है। इस प्रक्रिया में भाग लेने हेतु इच्छुक स्वयंसेवको/अशासकीय संस्था व व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। जो आवश्यक जानकारी के साथ दिनांक 15 नवंबर को सायं 5.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में भाग लेने हेतु आवश्यक अनुमति से सूचित कर अन्तिम रूप से चयनित स्वयंसेवको को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया जावेगा जिसकी पृथक से सूचना प्रदाय की जावेगी। तथा उसी दिन मैदानी स्तर पर आंकलन कार्य हेतु भेजा जावेगा।

श्रमिकों की आयु गणना के लिए नवीन निर्देश

नवभारत न्यूज

पन्ना 23 अक्टूबर, मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना अंतर्गत श्रमिक की आयु गणना के लिए श्रम विभाग द्वारा नवीन निर्देश जारी किए गए हैं। अब आयु गणना के लिए आधार कार्ड के आधार पर शब्द विलोपित किया गया है।

आयु के प्रमाण के लिए परीक्षा लेने वाले बोर्ड या विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया प्रमाण पत्र या अंकसूची या उस अंतिम विद्यालय द्वारा, जिसमें उसने अध्ययन किया, जारी किया गया विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र मान्य होगा। इसी तरह जन्म तथा मृत्यु के रजिस्ट्रार से प्रमाण पत्र एवं ग्राम पंचायत या मुख्य नगर पालिका अधिकारी से प्रमाण पत्र मान्य होगा। उपरोक्त प्रमाण पत्रों के न होने पर उस चिकित्सा अधिकारी का प्रमाण पत्र, जो शासकीय सेवा में सहायक शल्य चिकित्सक की पद श्रेणी से निम्न पद श्रेणी का न हो, का प्रमाण पत्र मान्य होगा। उक्त चारों दस्तावेजों अथवा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अन्य आयु संबंधी दस्तावेजों के परीक्षण उपरांत गुण-दोष के आधार पर आयु संबंधी निर्णय लिया जाएगा।

शोपीस बनी कचरा री साइकिल मशीन ट्रेंचिंग ग्राउंड में पड़ा कचरा ही कचरा

नवभारत न्यूज

पन्ना 23 अक्टूबर , नगर परिषद पवई द्वारा लाखों रूपये खर्च कर खरीदी गई कचरा रिसाइकल मशीन धूल फांक रही है। मशीन ट्रेंचिंग ग्राउंड में वर्षो से शोपीस बनी पडी है, जबकि अब तक वहां बिजली कनेक्शन तक नहीं कराया गया। न

तीजतन यह मशीन कभी चालू ही नहीं हो पाई है। कचरे को रिसाइकिल करने के बजाए गड्ढे खोदकर जमीन में डाला जा रहा है। इससे पर्यावरण को नुकसान के साथ ही आसपास के ग्रामीणों को दुर्गंध, मच्छरों और संक्रमण की गंभीर समस्या झेलनी पड़ रही है। कचरे की बदबू से जीना मुश्किल हो गया है। घरों में बच्चे बीमार पड़ रहे हैं।

कचरा टैंक में गिरकर जंगली सुअर की मौंत फिर भी नहीं चेते:- कुछ दिन पूर्व इसी ट्रेंचिंग ग्राउंड में खुले कचरा टैंक में गिरने से जंगली सूअर की मौंत हो चुकी है। इस पर बन विभाग ने भी नाराजगी जताई है। अधिकारियों का कहना है कि नगर परिषद द्वारा गर्मियों में खुले में कचरा जलाने से कई बार जंगलों में आग फैल जाती है, जिससे वन्यजीवों को खतरा बढ़ जाता है। विभाग की ओर से बार बार चेतावनी और पत्राचार के बावजूद परिषद की नींद नहीं टूटी।

आदिवासी परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित

ट्रेंचिंग ग्राउंड के पास बसे खमरिया ग्राम के विस्थापित आदिवासी परिवार सबसे अधिक प्रभावित हैं। उन्होंने कई बार परिषद को दुर्गंध और मच्छरजनित बीमारियों की शिकायत दी, लेकिन कोई समाधान नहीं मिला। मक्खियां के कारण उनका जीना मुहाल हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में सुनी समस्याएं

नवभारत न्यूज

पन्ना 23 अक्टूबर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को भोपाल से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न जिलों के आवेदकों की समस्याएं सुनकर निराकरण किया।

इस मौके पर अधिकारियों को समय सीमा में आमजनों की समस्याओं के प्रभावी निराकरण के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही विभागवार योजनाओं और गतिविधियों का क्रियान्वयन भी भ्रमण और सतत मॉनिटरिंग के माध्यम से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी व्हीसी कक्ष में कलेक्टर ऊषा परमार एवं पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू सहित डीएफओ गर्वित गंगवार एवं अनुपम शर्मा, जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी, अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे, एसडीएम संजय कुमार नागवंशी एवं संयुक्त कलेक्टर नरेन्द्र सिंह धुर्वे भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आम नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न स्तर पर संचालित ऑनलाइन पोर्टल और हेल्पलाइन व्यवस्था की तकनीकी समस्याओं का अविलंब निराकरण कर एक माह में विशेष अभियान के जरिए सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का निराकरण किया जाए। कंट्रोल रूम पर कम्यूनिकेशन का भी समुचित प्रबंध हो। वर्षाकाल समाप्त होने के उपरांत अब समय सीमा में आम जनता से जुड़े सड़कों तथा अन्य मुद्दों का निपटारा किया जाए। सभी अधिकारी जनता की समस्याएं कम करने की दिशा में विशेष ध्यान दें। जिला कलेक्टर्स शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति प्रकरणों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करें। संस्थाओं का समय-समय पर औचक निरीक्षण भी किया जाए।

सरकारी योजनाओं की सब्सिडी राशि का भुगतान भी समय पर हो, इसके लिए बैंक स्तर पर जरूरी समन्वय करें। मुख्यमंत्री ने खाद बीज की कालाबाजारी पर रोकथाम के निर्देश भी दिए। साथ ही एक से 3 नवम्बर तक मध्यप्रदेश के तीन दिवसीय स्थापना दिवस समारोह में रोजगार एवं उद्योग की थीम पर केन्द्रित गतिविधियों को अनिवार्य रूप से शामिल करने के लिए भी कहा। आगामी 15 नवम्बर को भगवान बिरसा मुण्डा जयंती पर राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन के दृष्टिगत उन्होंने विशेष निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि समस्त अधिकारी समय-समय पर शासन से जारी निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराएं। संबंधित शासकीय सेवक की जिम्मेवारी तय कर पुराने लंबित प्रकरणों और शिकायतों का भी नियत समय सीमा में निराकरण करें। अधिकारियों से व्हीसी के दौरान आईटी सॉफ्टवेयर के उपयोग के दौरान एसओपी का पालन सुनिश्चित करने, जनकल्याणकारी परियोजनाओं की मॉनिटरिंग, गुड गवर्नेंस के लिए नवाचार, जनसुनवाई को बेहतर व प्रभावी बनाने तथा नियमित रूप से पुलिस थाना निरीक्षण के लिए निर्देशित कर सुशासन की मिसाल स्थापित करने की अपेक्षा भी की।